For Hindi site- Education series

वित्तीय आयोजन शृंखला-लेख क्रमांक 1

बचत-पूंजीनिवेश, आर्थिक सुरक्षा और सुलभ-सुखी जीवन की गुरुचाबी

बचत क्या है?

बचत की सरल परिभाषा क्या है? भविष्य में हमें अतिरिक्त धन की आवश्यकता पड़ सकती है। इसकी परिपूर्ति के लिए हमारी आय का कुछ हिस्सा हम अलग से एक ओर बचा कर रखते है, उसे ही बचत कहते है। हमारी आय से जो भी राशि खर्च हो जाती है, के बाद जो हिस्सा बचता है, वह बचत है। व्यक्ति को अपनी आर्थिक सुरक्षा, दीर्घकालिक लक्ष्यांको की परिपूर्ति के लिए बचत करनी चाहिए। बचत का मूल सिद्धांत है कि खर्च करने के बाद बची राशि नहीं बल्कि, आय में से सबसे पहले सुनिश्चित राशि बचत के रूप में अलग निकाल कर बाद में बाकी बची राशि में से खर्च करना चाहिए। अल्प में, पहले बचत का प्रावधान और फिर खर्च। सुखी-सुलभ व बेहतर भविष्य के लिए बचत करना ही बुद्धिमानी है।

बचत किसी भी वक्त

एक अहम प्रश्न यह है कि बचत कब से शुरू करनी चाहिए? बचत करने के लिए कोई उचित निश्चित समय नहीं होता, लेकिन बचत शिघ्रातिशीघ्र शुरू हो, भविष्य भी उतना ही उज्ज्वल बनेगा। बचत करना महत्वपूर्ण है क्योंकि शारीरिक बीमारी, धंधे में घाटा या दुर्घटना जैसी आपतस्थिति में अनपेक्षित खर्च का प्रावधान बचत अंतर्गत जमा राशि से किया जा सकता है। अतः बचत यथाशीघ्र शुरू करना अत्यावश्यक है।

खर्च का प्रकार जानिए और अग्रताक्रम तय करें

INTERNAL

बचत वृद्धि के लिए आवश्यकता, इच्छा और महत्वाकांक्षा इन तीनों के बीच फर्क को जानना चाहिए। अपने अस्तित्व को बनाए रखना अनिवार्यता है। अर्थात, अन्न, जल, वस्त्र, आवास, आरोग्य इत्यादि जीवन जरूरी अनिवार्यता है। इच्छाएं वो होती है जो व्यक्ति की सुखसुविधा, जीवनशैली निखारती है, पर अनिवार्य नहीं है, जैसे कि मनोरंजन, होटल में भोजन, चलचित्र देखना/प्रवास पर जाना आदि।

महत्वाकांक्षा प्रबल इच्छाएं है, जैसे कि लक्ज़री महंगी कार, अत्याधुनिक महंगा मोबाईल सेट खरीदना आदि। इस तरह की महंगी चीजें खरीदने के लिए ऋण लेने की भी लालच होती है लेकिन बिना उचित आयोजन ऐसी इच्छा-महत्वाकांक्षा के पीछे खर्च करते रहने पर बचत करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी हो सकता है।

बचत के लिए ये और खर्च का संतुलित आयोजन कैसे करें?

बजट बनाएं

सबसे पहले जिन-जिन संसाधन और संपत्ति से आय अर्जित होती है, जैसे कि वेतन, बोनस, भाड़ा से प्राप्त आय आदि की सूची तैयार करें। इसी तरह, हर प्रकार के खर्च की सूची बनाए (जैसे कि बिजली, गैस, हाउस मैन्टेनन्स, बच्चों की फीस आदि) आय की सुनिश्चित प्रतिशत राशि नियमितरूप से बचत व पूंजीनिवेश के लिए आबंटित करनी चाहिए।

खर्च का अग्रताक्रम तय करें

ऊपर अनुसार बजट बनाने के बाद सबसे पहले सभी बेसिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए खर्च के प्रावधान के बाद ही इच्छा और महत्वाकांक्षा की संतुष्टि के लिए राशि का प्रावधान करना चाहिए। अन्न, वस्त्र और निवासभाड़ा (हाउस मैन्टेनन्स) आवश्यक खर्च है। अर्थात, ऐसे खर्च के लिए अग्रिमरूप से राशि का प्रावधान होना चाहिए।

आपतकाल खर्च के लिए प्रावधान

कभी-कभी बीमारी, दुर्घटना या अनपेक्षित आपत्ति के समय काफी पैसा खर्च हो जाता है और बचत का आयोजन भी तहसनहस हो सकता है। ऐसा न हो, के लिए आपातकाल राशि का प्रावधान अलग से करना चाहिए ताकि, वो पैसा काम मे आ सके और बचत पर असर बिल्कुल

INTERNAL

न हो या कम रहे। प्रश्न यह है कि ऐसा कोष कैसे गठित हो सकता है। कभीकभार, हमे नियमित आय के उपरांत अनपेक्षित प्राप्त लाभ के मार्फत ऐसे कोष का गठन किया जा सकता है।

भविष्य के लिए पूंजीनिवेश

हमारे दीर्घावधि लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आय के सुनिश्चित हिस्से का पूंजीनिवेश करना बड़ी समझदारी है। जिसमें समयानुसार वृद्धि होती रहती हो। दीर्घावधि लक्ष्य साकार होने में एक माह या कुछ सप्ताह नहीं बल्कि कई वर्ष लग जाते है। उदाहरण के रूप में, शिक्षा में उच्च डिग्री हाँसील करना, स्वयं की मालिकी का घर खरीदना, निवृति समय के लिए आयोजन करना आदि।

पूंजीनिवेश क्यों जरूरी?

केवल बचत करने से संपत्तिवान नहीं बना जा सकता है। बचत की समयानुसार वृद्धि के लिए उसका उचित संसाधनों में निवेश करना आवश्यक है। पूंजीनिवेश से होनेवाली धनवृद्धि के आधार पर व्यक्ति अपने वित्तीय लक्ष्य जैसे कि आवास खरीदी, बच्चों का शिक्षा खर्च अथवा स्थायी या अस्थायी संपत्ति की खरीदी का सपना पूरा कर सकता है।

पूजिनिवेश का आरंभ शिघ्रातिशीघ्र करना हितवाह है। कमाई का प्रारंभ एकबार होते ही पूंजीनिवेश चालू करना आदर्शरूप स्थिति है। निवेश करने से पूंजी में वृद्धि होती है, जो मुद्रास्फीति के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है। निवेश के माध्यम से विभिन्न वित्तीय लक्ष्यांक हाँसील किए जा सकते है। शिघ्रातिशीघ्र नियमित निवेश निवृति कोष के सर्जन में व्यक्ति को सक्षमता प्रदान करता है।

पूंजीनिवेश पूर्व ध्यान में लेने जैसे मुद्दे

पूजिनिवेश के पूर्व कुछ बातें यह ध्यान में ले कि दैनदिनी खर्च की पूर्ति के लिए आपके पास आय का स्थिर स्तोत्र होना चाहिए। नौकरी छूट जाना जैसी आपात परिस्थिति में अनपेक्षित खर्च की पूर्ति के लिए पैसा होना चाहिए। अचानक बीमारी पर खर्च के लिए बीमा सुरक्षा होना आवश्यक है। आपने इन चीजों का प्रावधान किया है तो पूंजीनिवेश करना सरल बन सकता है।

INTERNAL